व्यवसायिक योजना

लक्ष्मी सवयं सहायता समूह (फारमे)
(शॉल , स्टॉल, बाडर वमफलर

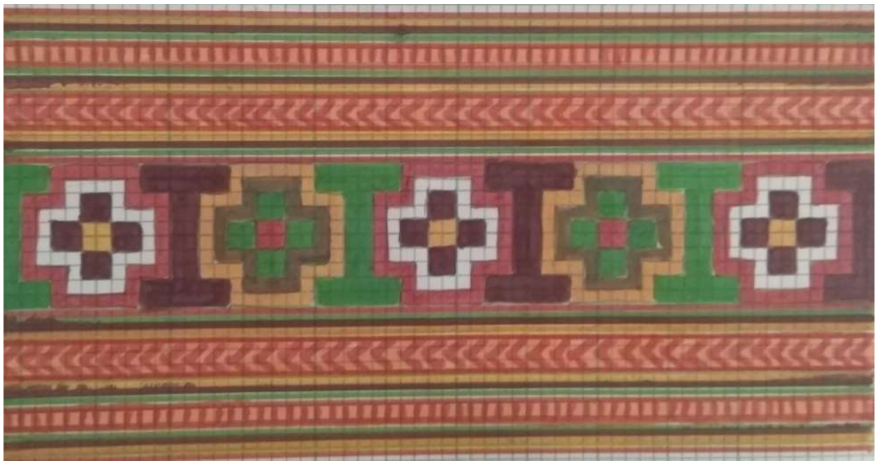

जैवविविधता प्रबंधन कमेटी	कोटाधार
उप-समिति	फारमे
ग्राम पंचायत	गाहर
वन परिक्षेत्र	वन्यप्राणी परिक्षेत्र,मनाली
वनमंडल	वन्य प्राणी मंडल कुल्लू
वनवृत्त	GHNPCircle, शमशी

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना
(जाईका वित्तपोषित)

विषय –सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	परिचय	3
2	कार्यकारिणीसारांश	3-5
3	स्वयंसहायतासमूह / समान रूचीसमूह का विवरण व सूची	5-6
4	गांव की भौगोलिकस्थिति का विवरण	6
5	आय सृजनगतिविधि से सम्बन्धितउत्पाद का विवरण	6
6	उत्पादन की प्रक्रियाऐं	6-8
7	उत्पादननियोजन	8-9
8	विक्रय तथाविपणन	9
9	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	9-10
10	शक्ति, दुर्बलता,अवसरतथाचुनौतीका विश्लेषण(SWOT Analysis)	10-11
11	सम्भावितजोखिम व उनको कम करने के उपाय	11
12	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	12
13	अर्थव्यवस्था का सारांश	12-13
14	अनुमान	13
15	उद्यमहेतूलाभ–लागतविश्लेषण	13
16	धन की आवश्यकता	14
17	धन की आवश्यकता का नियोजन	14-15
18	सम विच्छेदन बिंदु	15
19	ऋणवापिस का किश्तवार नियोजन	15-16
20	समूह के नियम	16-17
21	समूह की सहमति तथा प्रधान, जैव विविधता उपसमिति लोट का अनुमोदन	18
22	समूह के सदस्यों की फोटो	19-20

1. परिचय

हथकरघाउद्योगप्राचीनकालसेहीहाथकेकारीगरोंकोआजीविकाप्रदानकरताआयाहै।भारतमेंहथकरघाऊद्योगसमयकेसाथ सबसेमहत्वपूर्णकुटीरउद्योगवव्यापारकेरूपमेंउभराहै।हथकरघाबुनकरकपास, रेशमऔरऊनकेशुद्धरेशोंकाउपयोगकरउत्पाद तैयारकरतेरहेहैं।हैंडलूमउद्योगभारतकीसांस्कृतिकविरासतका आवश्यक अंगहै।पहले कुल्वी लोग सादे शॉल बुनते थे लेकिन हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर से बुशहरी शिल्पकार के आने के बाद पैटर्न वाले हथकरघा का चलन अस्तित्व में आया। बहुत समय पहले तक पुरुष और महिलाएंअपनेघरोंमेंपारंपरिकखड्डियों (Pitlooms)मेंबुनाईकाकामकरतेथेऔरसार्दियों के लिए परिवारकेलिएगर्मकपड़ोंकीस्वयंव्यवस्थाकरते थे । उसके बाद हथकरघा का चलन शुरू हुआ, यह संभवत: ब्रिटिश काल में उनके प्रभाव के कारण हुआ। कुल्लू की पारंपरिक बुनाई उत्पादों में दोड़ू, पट्टू, पट्टी (Tweed),शाल, टोपी के बार्डर व मफलर आदि आते हैं । सत्तर के दशक के पश्चात् पर्यटकों के बढ़ते आगमन व उसमे लगातार होती वृद्धि व पर्यटकों के कुल्लू हस्तशिल्प उत्पादों में रूचि इस कार्य में लगे लोगों खासकरमहिलाओंकेलिए, जोइसक्षेत्रकेबुनकरोंकालगभग 70% हैं, की आजीविका का साधन बनता गया । मैदानी क्षेत्रों में बने पावरलूम उत्पादों से इस क्षेत्र में विभिन्न कार्य कर रहे शिल्पियों और व्यवसाइयों को अपने उत्पादों के विपणन में कठिनायाँ आ रही है । भारत सरकार तथा राज्य सरकार समय समय पर इस क्षेत्र को प्रोत्साहन देने में प्रयासरत है ।

हिमाचल प्रदेश वन विभाग द्वारा संचालित तथा जाइका वित्तपोषित " हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना" (PIHPFEM&L) के माध्यम से पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन के साथ साथ वनों के पास रहने वाले समुदायों की आजीविका में सुधार के प्रयास किये जा रहे हैं ।महिला स्वयं सहायता समूहों का गठन कर के उनकी रूचि के अनुसार गतिविधियों को चुन कर इन समूहों की सहायता की जा रही है । इस प्रकार की गतिविधियों में एक गतिविधि हथकरघा, जो कुल्लू का पारंपरिक शिल्प है , में भी महिलाओं ने काम करने की इच्छा जताई है । कोटाधार जैवविविधता प्रबंधन कमेटी की "फारमे" उप समिति के "लक्ष्मी"स्वयं सहायता समूह ने हथकरघा की गतिबिधि का चयन किया है जिसके हर पहलू को ध्यान में रख कर इस व्यवसाय योजना को बनाया गया है ।

2 कार्यकारिणीसारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय में स्थित है। यह राज्य कुदरती सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिकव धार्मिक धरोहर से भरपूर है।राज्य में विविध पारितंत्र, नदियाँ व घाटियाँ पाई जाती है। इसकी आबादी 70 लाख के करीब है।इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि० मी० है। हिमाचल प्रदेश में शिवालिक पहाडियों से लेकर मध्य हिमालय का क्षेत्र के ऊँचाई व और ठंडे जोन का क्षेत्र पाया जाता है। राज्य के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में से 7जिले में हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबन्धन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे कुल्लू ज़िला भी शामिल है।

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना (जाईका वित्तपोषित) प्रारंभ होने पर जैवविविधता प्रबंधनकोटाधारकी "फारमे"उप समितिकी सूक्षम योजना बनाई गयी है। वन विकास समिति के लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु प्रत्येक परिवार की औसत भूमि चार बीघा से कम है इसके इलावा सिंचाई के कोई भी साधन नहीं है। अत: अधिकतर लोग जिले के अंदर व जिले के बाहर मजदूरी कमाने जाते हैं तथा सिचांई की उचित व्यवसाय ना होने के कारण लोगों को उनके आय में आपेक्षित बढोतरी नहीं हो पा रही है। यहाँ के लोग मुख्यत: गेहूं, मक्की, जौ व दालों की खेती करने के साथ सेब, प्लम,नाशपति व खुमानी इत्यादि बागवानी फसले उगाते हैं।आय के वैकल्पिक साधन ना होने के कारण मजदूरी के लिए घर से वाहर जाना पड़ता है। इस समस्या से उबरने के लिए स्वयं सहायता समूहलक्ष्मीशाल,स्टॉल,बॉर्डर और मफलर इत्यादि का कार्य करके अपनी आजीविका बढाने का निर्णय लिया है। आजीविका सुधार योजना गतिविधि के लिए स्थानीय स्वयं सहायता समूह बनाये गए हैं इन में से स्वयं सहायता समूह का 10/09/2018को गठन किया गया है। इस समूह में कुल 15महिला सदस्य है जो सभी समान्यजाति से सम्बन्ध रखती हैं ।इस समान रुची समूह ने विस्तार से चर्चा करने पर शाल,स्टॉल,बॉर्डरव मफलर बनाने व विपणन करने का निर्णय किया है।

इस समूह में 2-3 सदस्य शॉल,स्टॉल और मफलर बुनाई का कार्य पहले से ही कर रही है। उत्पादन के बाद प्रारंभ में विपणन करने के लिए स्थानीय दुकानदारों या थोक विक्रेताओं के साथ समूह को जोड़ा जाएगा।दक्षता व उत्पादन में वृद्धि के साथ साथ विपणन की संभावनाओं कोऔर अधिक स्तर में खोजने की और इसमें विस्तार की आवश्यकता होगी ।समूह के सदस्य सामूहिक तौर पर अधिक मात्रा में उत्पादन करके अपनी आजीविका बढा सकती है।

शॉल,स्टॉल,बॉर्डरऔर मफलर बनाने के लिए कच्चा माल व खड्डीयां स्थानीय स्तर पर उपलब्ध है तथा विपणन की भी स्थानीय स्तर पर अपार सम्भावना है क्योंकि कुल्लू घाटी में लगभग पूरी साल पर्यटकों का आना जाना रहता है। कुल्लू के शॉल,स्टॉल,बॉर्डर, टोपी और मफलर आदि की सुन्दरताभारतवर्ष में विख्यात है अत: पर्यटक घर लोटते समय अपने परिवार व मित्रों के लिए उपहार हेतु प्रचुर मात्रा में खरीददारी करते है। प्रारम्भ मैं समूह के सदस्यों को परियोजना शॉल,स्टॉल,बार्डर और मफलरबनाने का प्रशिक्षण दिया जायेगा जिस पर सम्पूरण व्यय परियोजना का होगा जो कि अनुमानित लगभग 60,000रूपए होगा I इस समूह के सभी सदस्य महिला है I अतः पूंजीगत व्यय के 75% के बराबर सहायता राशी भी परियोजना देगी।खड्डीयों को गाँव में पहुँचाने व स्थापित करने आदि पर जो खर्च होगा उसे भी परियोजना से किया जायेगा Iइसके अतिरिक्त 1,00,000/- परिक्रामी निधि (Revolving Fund)दिया जाएगा। समूह ने तय किया है कि सभी सदस्य नियम व शर्तो के हिसाब से तथा आपसी सहमति से कार्यो व इससे होने वाले लाभों का आपसी बंटवारा करेंगे।

यह व्यवसाय योजना बैच –IIIमेबनाए गई व्यवसाय योजना के आधार पर समूह के सदस्यों से विस्तार से चर्चा करने के बाद बनाई गयी है। व्यवसाय योजना बनाते समय समूह के सदस्य की सख्यांशॉल,स्टॉलबॉर्डर और मफलर बनाने की क्षमता तथा कच्चे माल की उपलब्धता मांग व विपणन को ध्यान में रखकर56शॉल, 100स्टॉल और 135मफलर प्रतिमाह तैयार करने की व्यवसाय योजना बनाई है। समूह औसतन वर्षभर4-5घंटे प्रतिदिन का समय

निकालकर उपरोक्त उत्पादों का उत्पादन करेगा।मार्च के मध्य से नवम्बर तक खेती बाड़ी के कार्यों से कम समय मिलेगा परन्तु शेष महीनों में इस गतिविधि के कार्यों के लिए पर्याप्त समय उपलब्ध होगा।

3.स्वयंसहायतासमूह/समान रूचीसमूह का विवरण

3.1	स्वयंसहायतासमूहका नाम	लक्ष्मी सवयं सहायता समूह
3.2	जैवविविधता प्रबंधन कमेटी	कोटाधार
3.3	उपसमिति का नाम	फारमे
3.4	वनपरिक्षेत्र	वन्यप्राणी, मनाली
3.5	वनमण्डल	वन्यप्राणी, कुल्लू
3.6	गांव	गाहर
3.7	विकास खण्ड	नग्गर
3.8	जिला	कुल्लू
3.9	समूह के कुलसदस्यों की संख्या	15महिलाएं
3.10	समूह के गठन की तिथि	10/09/2018
3.11	समान रूचिसमूह की मासिकबचत	100/-
3.12	बैंक का नाम और शाखा जंहासमूह का खातासंचाालित	PNB अखारा बाजार
3.13	बैंक खातासंख्या	2430000100203865
3.14	समूह की कुलबचत	11000
3.15	समूह द्वारासदस्योंकोदियागया ऋण	अभीतक नही
3.16	कैशक्रैडिटसीमासमूहसदस्यों द्वारावापसकियागया ऋण की स्थिति	–

समूह में सम्मिलित सदस्यों का ब्यौरा निम्न प्रकार से है :

कमांक	लाभार्थी का नाम व पता सुश्री/श्रीमती	पिता/ पति नाम श्री	पद	लिंग	श्रेणी	सम्पर्क
1	लता देवी	ज्ञान चंद	प्रधान	स्त्री	सामान्य	8219072406
2	रजनी देवी	दीप कुमार	सचिव	स्त्री	सामान्य	7807579004
3	जगन्नाथी	पदम् सिंह	खजांची	स्त्री	सामान्य	8580553002
4	तारा देवी	दोत राम	सदस्य	स्त्री	सामान्य	82190956224
5	मनीषा	तिजेदर सिंह	सदस्य	स्त्री	सामान्य	9459438437
6	खिमी	नरोतम राम	सदस्य	स्त्री	सामान्य	9816923701
7	आशा	कमलेश	सदस्य	स्त्री	सामान्य	6230313517
8	तनिषा	हरीश	सदस्य	स्त्री	सामान्य	6230550271

9	निशा	संजीव कुमार	सदस्य	स्त्री	सामान्य	9736315366
10	नर्मदा	गुलाब दास	सदस्य	स्त्री	सामान्य	8894505927
11	संगीता	अनूप राम	सदस्य	स्त्री	सामान्य	7807104140
12	चंपा देवी	निरत राम	सदस्य	स्त्री	सामान्य	7807235593
13	संतो देवी	सूरत राम	सदस्य	स्त्री	सामान्य	9736311472
14	हेमलता	नानक चंद	सदस्य	स्त्री	सामान्य	7818656775
15	हीरा देवी	पूरण चंद	सदस्य	स्त्री	सामान्य	9816601838

4.गांव की भौगोलिकस्थिति

4.1	जिलामुख्यालय से दूरी	15कि0मी0
4.2	मुख्य सड़क से दूरी	8 क0मी0
4.3	स्थानीय बाजार का नाम औरदूरी	कुल्लू15, भुन्तर22कि0मी0
4.4	मुख्य बाजार से दूरीऔर नाम	कुल्लू15 कि0मी0
4.5	अन्य प्रमुख शहरोंऔरकसबों से दूरी	कुल्लू15कि0मी0 मनाली42 कि0मी0 भुन्तर22 कि0मी0
4.6	बाजार/बाजारों से दूरीजहांपरउत्पादन की बिक्री की जायेगी	कुल्लू15 कि0मी0 मनाली42कि0मी0 भुन्तर22 कि0मी0
4.7	ग्राम के सम्बन्ध मेंअन्य कोईविशिष्ठताजोसमूह द्वाराचयनितआय सृजनगतिविधि से सम्बन्धितहो	1-2 सदस्य पहले से हथकरघा बुनाई से अवगत हैं

5.आय सृजनगतिविधि से सम्बन्धितउत्पाद का विवरण

5.1	उत्पाद का नाम	शॉल, स्टॉल, बॉर्डर, और मफलर
5.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	समूह का 1-2सदस्यअपनेस्तरपरपहले से हीशाल, स्टालव बॉर्डरबुनाई का कार्यकरतीहै व उत्पादितसमानकोस्थानीय बाजारमें भारी मांग है।समूहमेंउत्पादन व विपणनकरनेपरअतिरिक्तआय की आपारसभावनाहै।
5.3	समान रूचिसमूह के सदस्यों की सहमति	हां (सहमति पत्र संलगन है।)

6. उत्पादन की प्रकियाओं का विवरण

सर्वप्रथमसमान रूचीसमूह के सदस्योंकोपरियोजना द्वारा शॉल, स्टॉल, बॉर्डर और मफलरआदिबनाने काप्रशिक्षणदियाजाऐगा।प्रशिक्षण के उपरान्तसमूह के सदस्यों द्वाराउत्पादतैयारकरनेमेंनिम्नप्रक्रिया की जाऐगीः–

1. शाल, स्टॉल, का ताना व वाना, वार्पिगमशीनके द्वारा खरीद के स्थान पर ही विक्रेताद्वारालगवाऐगें।इससे समय औरउत्पादों की मज़दूरीदर का खर्चा कम होगा।
2. समूहमेंसभीसदस्यआपस में कार्य का बटवारा करकेशॉल, स्टॉल, बॉर्डर और मफलरबनाने का कार्यकरेगें।
3. सदस्य बारी–बारीविपणनकरेगें व कच्चामालभीलाऐंगे।
4. समूह के सदस्य प्रतिदिनऔसतन 4 से 5घण्टेकार्यकरेगें।
5. प्रत्येक सदस्य द्वारा समूह के कार्यों पर लगाये समय का ब्योरा रखा जायेगा।

प्रशिक्षण के उपरान्तसमूह द्वारानिम्नलिखितउत्पादों का कार्यकियाजाऐगा।जिसकाविवरण इस प्रकार सेहै :

1. शॉल

कुल्लू शाल अपने ज्यामितीय पैटर्न के लिए प्रसिद्ध है। विशिष्ट कुल्लू शॉल के दोनों सिरों पर ज्यामितीय डिजाइन होते हैं। ज्यामितीय डिजाइनों के अलावा, शॉल फूलों के डिजाइनों में बुने जाते हैं, जो केवल कोनों पर या सीमाओं पर ही होते हैं। प्रत्येक डिज़ाइन में एक से 8 रंग हो सकते हैं। परंपरागत रूप से, चमकीले रंग, जैसे लाल, पीले, मैजेंटा गुलाबी, हरे, नारंगी, नीले, काले और सफेद रंग का इस्तेमाल पैटर्निंग के लिए किया गया था और सफेद, काले और प्राकृतिक भूरे रंग को इन शॉलों में आधार के रूप में इस्तेमाल किया जाता था। लेकिन वर्तमान समय में ग्राहकों की मांग को ध्यान में रखते हुए इन चमकीले रंगों को धीरे–धीरे पेस्टल रंगों से बदला जा रहा है। विभिन्न रंगों में रंगे मिल स्पून यार्न का उपयोग जमीन के लिए किया जाता है, जबकि सीमा में पैटर्न के लिए ऐक्रेलिक रंगों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग किया जाता है। ये शॉल भेड़ की ऊन, अंगोरा, पश्मीना, याक ऊन और हाथ से बनी सामग्री में उपलब्ध हैं। शॉल की कीमत ऊन की गुणवत्ता और उसमें इस्तेमाल किए गए पैटर्न की संख्या और चौड़ाई पर निर्भर करती है। इनमे लगने वाले धागों की किसम , रंग, डिज़ाइन आदि का चयन बाज़ार की मांग पर निर्भर करेगा।विभिन्नडिजाईनों कीशॉलेसातसदस्यों द्वारातैयारकीजाएगी।अनुमान है किप्रत्येकसदस्य द्वाराप्रतिदिनमें4 से 5 घण्टेंकार्यकरनेपर2दिनमें1 शॉलतैयारकर सकती हैं।छह सदस्य एक महीने में 56 शॉल बना सकते हैं।

2. स्टॉल

स्टोल एक महिला का शॉल है, विशेष रूप से महंगे कपड़े का औपचारिक शॉल। स्टोल का उपयोगपरिष्कृत और फैशन के प्रति जागरूक महिलाएं करती हैं। इसे शॉल की तरह शरीर के चारों ओर लपेटा जा सकता है या कंधों से लटकाया जा सकता है। एक स्टॉल आमतौर पर शॉल की तुलना में लम्बाई व चौड़ाई में छोटा होता है। विभिन्नडिजाईनों की स्टॉलपांच सदस्यों द्वारातैयारकियाजायेगा।प्रत्येकसदस्य द्वाराप्रतिदिनमें 4 से 5 घण्टेंकार्यकरनेपर1दिनमें1.3स्टॉलतैयारकर सकती है।इस प्रकार पांच सदस्य एक महीने में 195 स्टॉल तैयार कर सकते हैं।

3. बार्डर (बुलन/कैशमीलॉन)

कुल्लू शॉल की एक विशिष्ट विशेषता पार्श्व सिरों पर क्षैतिज रूप से चौड़ाई में चलने वाली धारियाँ या बैंड हैं। ये बैंड, कुछ सेंटीमीटर चौड़े पीले, हरे, सफेद या लाल जैसे शानदार रंगों में बुने हुए पैटर्न की विविधता से सजाए जाते हैं। इससे थोड़े भिन्न आकर के बार्डर का प्रयोग विशिष्ट कुल्लवी टोपियों में विभिन्न आकर्षक डिजायनों में होता है जो इसे अलग पहचान देते हैं ।बोर्डर की बुनाई का काम 2 सदस्य करेंगे ओर 60 वार्डर तैयार करेंगे

4. मफलर

विभिन्न अवसरों पर विशिष्ट लोगों को सम्मानित करते समय टोपी और मफलर भेंट करना पहाड़ों की परंपरा में सम्मिलित है ।विभिन्नडिजाईनोंकेमफलरएक सदस्य द्वारातैयारकियाजायेगा ।एक सदस्य द्वाराप्रतिदिनमें4 से 5घंटेकार्यकरनेपरप्रत्येकदिनमें2 मफलरतैयारकर सकती है। समूह की एक महिला एक माह में 60 मफ़लरबना पाएंगी।

7. उत्पादनहेतुनियोजन का विवरण

7.1	उत्पादनचक्र (दिनों में) 30दिनप्रतिदिन4–5घंटेकार्यकरेगें	49शॉल 195स्टॉल 60मफलर 60 बार्डर
7.2	प्रतिचक्रकार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	7सदस्य शॉलके लिए 5सदस्य स्टॉलके लिए 2सदस्य मफलरके लिए 2सदसय बार्डर के लिए कुल15सदस्य
7.3	कच्चेमाल का स्त्रोत	कुल्लू, भुन्तर
7.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू ,मनाली, भुन्तर

**प्रत्येक उत्पादन की मात्रा का अनुमान सांकेतिक है जिनका उत्पादन बाज़ार की मांग के अनुसार कम या अधिक करना होगा* I

8	**कच्चेमाल की आवश्यकता एवंअनुमानितउत्पादन**					
क०सं0	**नाम**	**इकाई**	**मात्रा**	**दर**	**राशी**	**आपेक्षितउत्पादन**
1	**शॉल (80:20 धागा)**					
क	तानाबाना	kg.	17	900	13600	56शॉल
ख	केश्मीलोंन	kg.	1.6	500	800	
ग	वार्पिंग मजदूरी		56	25	1400	
घ	मजदूरी	दिहाड़ी	105	350	36,750	
ड	पेकिंग,धुलाई अदि		56	25	1400	

	योग				**53,950**	
2	**स्टॉल (80:20 धागा)**					
क	तानाबाना	kg.	30	800	24000	195स्टॉल
ख	केश्मीलोंन	kg.	3	500	1500	
ग	मजदूरी	दिहाड़ी	75	350	26250	
घ	पेकिंग,धुलाई अदि		195	20	3900	
	योग				**55650**	
3	**मफलर ऊनी**					
क	तानाबाना	kg.	6	1500	9000	60 मफलर
ख	मजदूरी	दिहाड़ी	15	350	5250	
घ	पेकिंग,धुलाई अदि		60	15	900	
	योग				**15150**	

3	**बार्डर**					
क	तानाबाना	kg.	2.4	1500	3600	60बार्डर
ख	मजदूरी	दिहाड़ी	15	350	5250	
घ	पेकिंग,धुलाई अदि		60	15	900	
	योग				**15150**	

9.विपणन / बिक्री का विवरण

8.1	सम्भावितबाजारों / स्थलों के नाम	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
8.2	उत्पाद की बिक्रीहेतूगांव से दूरी	कुल्लू15 कि0मी0 मनाली57 कि0मी0 भुन्तर24कि0मी0
8.3	बाजारमेंउत्पाद की अनुमानितमांग	उत्पादन से अधिक मांग है।
8.4	बाजारकोचिन्हितकरने की प्रक्रिया	खुदरा दुकाने में पर्यटकों के द्वाराबड़े पेमाने पर खरीदारी की जाती है तथा स्थानीय निवासियों द्वाराशादी व अन्य समारोहों पर खरीदारी की जाती है |
8.5	मौसममेंपरिवर्तन के अनुसारउत्पाद की मांग की स्थिति	सर्दी में उत्पादों की मांग बढ जाती है | गर्मियों में पर्यटक द्वाराखरीदारी करने पर सामान्य रहती है |
8.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	पर्यटक व स्थानीय निवासी

8.7	क्षेत्र मेंसंभावितउपभोक्ता	कुल्लू, लाहौल वमण्ड़ीजिला के निवासी
8.8	उत्पाद का विपणनतंत्र	समान रुची समूह को कुल्लू, मनाली और भुंतर के खुदरा दुकानदारों के साथ विपणनके लिए जोड़ा जाएगा तथा मेलों में प्रदर्शनी / स्टॉल लगा कर विपणन किया जाएगा
8.9	उत्पाद के विपणनहेतुरणनीति	स्थानीय बाज़ार में मांग कम होने पर उत्पादन को मंडी, शिमला के खुदरा दुकानदारों से जोड़ा जाएगा। मांग बढने या कम होने पर उत्पादन को मांग के अनुसार बढाया या कम किया जाएगा।
8.10	उत्पाद का ब्राण्ड नाम	“लक्ष्मी “
8.11	उत्पाद का ‘‘नारा’’	आओ बुनें हम

10. समूहसदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियमबनायेजाएगें।
- समूह के सदस्य आपसीसहमति से कार्यो का बंटवाराकरेंगें।
- बंटवाराकार्य की कुशलता व क्षमता के आधारपरकियाजाएगा।
- लाभ का बंटवाराभीकार्य की गुणवता व कुशलतातथामेहनत के आधारपरकियाजाएगा।
- विपणनमेंअनुभव रखनेवालेसदस्य बारी–बारी से विपणनकरेगे।
- प्रधान व सचिवप्रबन्धन का मुल्यांकन एवंअवलोकनसमस–समय परकरतेरहेगें।
- समान रूप से लाभांश व मजदूरी का बंटवारा करेंगे

11. शक्ति, दुर्बलता,अवसरतथाचुनौती का विश्लेषण (SWOT Analysis)

शक्ति

1. सभी समूह सदस्य सामान व् अनुकूल सोच रखते है।
2. समूह के कुछ सदस्य छोटे पैमाने उत्पाद बनाने व विपणन का कार्य पहले से कर रही है। जिस से समूह के अन्य सदस्यों को बुनाई व विपणन में असानी होगी।
3. उत्पादन लागत कम है तथा उत्पादन मांग अधिक है।
4. सदस्यों को घर के समीप ही उपलब्ध समय में आय वृद्धि का साधन मिलेगा I

दुर्बलता: -

1. नया समान रुची समूह है।
2. समूह में कार्य करने का अनुभव नहीं है।
3. सदस्यों की आर्थिक स्थिति कमज़ोर है I

अवसर: -

1. समूह में कार्य करने पर बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जा सकता है।
2. स्थानीय बाज़ारों में शॉल, स्टॉल, बॉर्डर और मफलरइत्यादि की पर्यटन क्षेत्र होने के कारण मांग अधिक है।
3. परियोजना द्वाराखड्डी और चरखा इत्यादि खरीदने पर 50%किमत को वहन किया जाएगा।
4. परियोजना द्वाराहथकरघा का प्रशिक्षणविशेषज्ञ द्वारामौके पर या प्रशिक्षणसंस्थानों में करवाया जाएगा।

जोखिम

1. समूह मेंआंतरिक झगडे होने पर समूह का कार्य प्रभावित हो सकता है।
2. मांग व पारदर्शता के अभाव में समूह टूटने की सम्भावना हो सकती है।
3. उत्पादों की मांग अधिकतर पर्यटकों के आगमन पर नोर्भर रहेगा I
4. हैंडलूम में स्थापित संस्थाओं से सपर्धा का सामना करना होगा

12. संभावित चुनौतियांतथाउनको कम करने के उपायों का विवरण

क0सं0	जोखिमों का विवरण	जोखिम कम करने के लिए उपाय
1	उत्पादों की स्थानीय बाज़ारों में मांग कम होने की सम्भावनाहो सकती है I जिसका विक्री व् आय पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा I	शिमला, मंडी के बाज़ारों के दुकानदारों को विपणन के लिए जोड़ा जाएगा I
2	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से विक्री कम हो सकती है I	गुणवत्ता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड और कौशल अर्जित करना होगा I
3	स्थापित संस्थाओं से सपर्धा का सामना करना होगा I	गुणवत्ता व कार्य कौशल बनाये रखना होगा I विपणन की नयी संभावनाओं को तलाशते रहना होगा I

13. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

पूंजीगतव्यय

क्रमसं	नाम	संख्या	दर	कुललागत	% अंश	परियोजनाकाअंश 75%	लाभार्थीकाअंश25%
1	खड्डी60"	4	18000	72000	75/25	54000	18000
2	खड्डी35"	2	11000	22000	75/25	16500	5500
3	खड्डी50"	2	17000	34000	75/25	25500	8500
	योग		**46000**	**128000**		**96000**	**32000**

	गतिविधि की अर्थव्यवस्था का व्योरा						
	आवर्ती व्यय						
क्र०सं0	नाम	इकाई	मात्रा	दर	राशी	आपेक्षितउत्पादन	कुल राशी
1	**शॉल (80:20 धागा)**						
क	तानाबाना	kg.	17	800	13600	56शॉल	
ख	केश्मीलोंन	kg.	1.6	500	800		
ग	वार्पिंग मजदूरी		56	25	1400		
घ	मजदूरी	दिहाड़ी	105	350	36750		
ड	पेकिंग,धुलाई अदि		56	25	1400		
					53,950		**53,950**
2	**स्टॉल (80:20 धागा)**						
क	तानाबाना	kg.	30	800	24000	195स्टॉल	
ख	केश्मीलोंन	kg.	3	500	1500		
ग	मजदूरी	दिहाड़ी	75	350	26,250		
घ	पेकिंग,धुलाई अदि		195	20	3900		
					55650		**55,650**
3	**मफलर ऊनी**						
क	तानाबाना	kg.	6	1500	9000	60 मफलर	
ख	मजदूरी	दिहाड़ी	15	350	5250		
घ	पेकिंग,धुलाई अदि		60	15	900		
						योग	**15150**
4	**बार्डर**						
क	तानाबाना	kg.	2.4	1500	3600	120 बार्डर	
ख	मजदूरी	दिहाड़ी	15	350	5250		
घ	पेकिंग,धुलाई अदि		60	15	900		
	योग				15150		**15,150**
	योग						**139900**
2	स्थान का किराया, बिजली बिलआदि				2000		
3	किराया कच्चा माल व तैयारमाल लाना ले जाना				2000		
4	अन्य खर्चे (रिपेयर्सस्टेशनरी आदि)				1000		

					5000		5000
	योग आवर्ती लागत						**1,44900**
	आवर्ती व्यय (आवर्ती लागत-मजदूरी) 144900-73500						**71400**
	कुल व्यवसाय योजना128000+144900				**272900**		
4	अनुमानित आय						
	प्रत्यक्ष आय						
	शॉल		56	1900	106400		
	स्टॉल		195	1000	195000		
	मफ़लर		60	400	24000		
	बार्डर		60	150	9000		
	योग प्रत्यक्ष आय				**3,34,400**		
	अप्रतयक्ष बचत या आय यदि कोईहो				11000		
	कुल अनुमानित आय				3,45,400		**3,45,400**

14	**अर्थव्यवस्था का सारांश**		
	उत्पादन की लागत		
1	आवर्ती व्यय	71400	
2	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिकह्लास	1066	
3	बैंक ऋण पर 12% ब्याजवार्षिक	-	
	योग	**72466**	

- पूंजीगत व्यय का 25%लाभार्थी अंश तथा आवर्ती व्यय समूह के सदसय नगदी के रूप मे जमा करके वहन करेंगे ।

15	**वित्तीयसारांश**							
	विक्रय मूल्य की गणना प्रतिवस्तु तथा कुल उत्पादन की बिक्री से आय							
क्र०सं0	**मद**	**अनुमानित उत्पादन संख्या**	**उत्पादन की लागत**	**लाभ प्रतिशत**	**लाभांश**	**कुल विक्रेय मूल्य (3X5)**	**बाज़ार विक्रय दर**	**कुल उत्पादन की विक्री से आय**
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	शॉल	56	964	97.09	936	1900	2100	106400
2	स्टॉल	195	538	85.87	462	1000	1200	195000
3	मफ़लर	60	253	58.10	147	400	500	24000
4	बार्डर	60	133	12.78	17	150	160	9000
	बिक्री से आय का योग							**3,34,400**
16	**मूल्य-लाभ विश्लेषण (एक चक्र =1 महीना)**							
क्र०सं0	**मद**					**राशी**	**कुल राशी**	
	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास					1066	**1066**	
	आवर्तीलागत							

	कमरे काकिराया, बिजली खर्चा अदि	2000		
	मजदूरी	73500		
	कच्चा मालव पेकिंग, ड्राईक्लीनिंग आदि व्यय	60000		
	अन्यखर्चे(रिपेयर, स्टेशनरी अदि)	1000		
	परिवेहन खर्चेसामान कच्चा व तैयार	2000		
	योग		**138500**	
	कुल लाभ 334400-(1066+138500)			194834
	उत्पादविक्री से सकल लाभ(लाभ+मजदूरी+किराया) 194834+73500+2000			2,70334
	एकमाह पश्चात् समूह में वितरण योग्य राशी (उत्पादों से आय-(ओसत मूलधन व ब्याजवापसी+दुसरे चक्र हेतु आवर्ती व्यय)= 334400-(0+0+71400)			263000

- पूंजीगत व्यय का 25% समूह के सदस्य नकदी CASH के रूप में देंगे तथा 75% परियोजना द्वारा वहन करेंगे |
- ● 1,00,000रुपए स्वयं सहायता समूह को बैंक से ऋण लेने के लिए एक परिक्रामी निधि के रूप में प्रदान किया जाएगा।

17	**धनराशी की आवश्यकता**	
क	**समूह की पहले माह की आवश्यकता**	
क्र०सं0	**मद**	**राशी**
1	पूंजीगत व्यय	128000
2	आवर्ती व्यय	71400
	योग	199400
ख	**समूह के वित्तीय साधन**	
क्र०सं0	**वित्तीय प्रबंध का विवरण**	**राशी**
1	परियोजना द्वारा पूंजीगतव्यय का अनुदान	96000
2	समूह के सदस्यों का नकदयोगदान	32000
4	समूह की वचत	11000
	योग	**139000**

18. सम विच्छेदनबिन्दू (ब्रेक ईवन प्वाइन्ट) की गणनाः

ब्रेक ईवन पॉइंट

अत: ब्रेक ईवन पॉइंट =128000/194834= 0.65महीना X 30 दिन = 19.7दिन

प्रत्येकशॉल, स्टॉल और मफलरके लाभ की गणना पर सम विच्छेदनबिन्दू19.7दिनों में उपरोक्त
अनुपात में विक्रय करने पर प्राप्त किया जा सकता है

टिप्पणी

समूह द्वारा56शाल ,100 स्टाल 60 मफ़लर ओर 120 बार्डर बनाने से समूह की194834 रूपय लाभ के रूप मे होगी । इस प्रकार प्रतयेक सदस्य 4500 रूपय मजदूरी के रूप मे व 8489 रूपयलाभांश के रूप मे महीने मे केवल 4-5 घंटे कार्य करने पर अर्जित करेंगे ।

19. समान रुची समूहके नियम

1. समूह का काम : हथकरघा (शॉल, स्टॉल, बॉर्डर, और मफलर)
2. समूह का पता : गाँव फाड़मे, डाकघरसेओबाग, तहसील और जिला कुल्लू, हिमाचल प्रदेश।
3. समूह के कुलसदस्यः 15
4. समूह की पहलीबैठक की तिथि:मासिक
5. समूहमेंहर100 रूपए पर 5 रूपए ब्याजहोगा।
6. समूह की मासिकबैठकहरमाह की 20 तिथि कोहोगी।
7. समूह के सभीसदस्य हरमाह की बचत की गईराशिकोसमूहमेंजमाकरेगें।
8. स्वंय सहायतासमूह की बैठकमेंसभीसदस्य को शामिलहोनापड़ेगा।
9. स्वंय सहायतासमूह का खातापंजाब नेशनल बैंक में खोलाहै खाता संख्या नंबर2430000100203865है।
10. समूह की बैठकमेंगेरहाज़िररहने के लिए प्रधान व सचिवकोउचितकार्यबताकरअनुमतिलेनीहोगी।
11. समूहमेंजोबचत की राशीजमानहींकरवाते या 3 बेठकोंतकसमूह से गेरहाज़िररहतेहैतो उस महिलाकोसमूह से निकालदियाजाऐगा।
12. समूहमेंजोव्यक्तिकारणबताए वगेरगेरहाज़िररहताहैतोअगलीबैठक उस व्यक्ति के घरमेंहोगीजिसका खर्च उस व्यक्तिको खुदकरनाहोगाअगरदोसदस्य होगेंतो खर्च मिल करदेनाहोगा।
13. भविष्य मेंस्वंय सहायतासमूह के प्रधान व सचिवसर्वसहमति से चुनेजाऐगें।
14. प्रधान व सचिवबैंक से लेनदेनकरसकतेहै यह पद एक वर्ष तकमान्य होगा।
15. प्रधान, सचिव यासदस्य समूह के विरूद्व कोईकाम नही करेगासमूह की रकम का सदासदुपयोगकरेगें।
16. अगरसदस्य किसीकारणवशसमूहकोछोड़नाचाहताहैअगर इस व्यक्ति ने ऋण लियाहैतोसमूहकोवापिसकरनाहोगातभीसमूहकोछोड़ समताहैअन्यथा नही
17. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्तऔरब्याज की दरबैठकमें तय की जाएगी।
18. आपातकालीनस्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशीहोनीचाहिए।
19. स्वंय सहायतासमूह के रजिस्टरकोसभीसदस्यों के सामनेपढ़ा व लिखा जानाचाहिए।
20. बड़ेंऋणलेनेवालोंको एक सप्ताहपहले की सूचनादेनीहोगी।
21. ऋण जरूरत के समय सभीसदस्योंकोमिलनाचाहिए।
22. अगरसदस्य बिनाकारण से समूहकोछोड़नाचाहताहैतो उस सदस्य की जमाराशी समूहमेंबांटीजाएगी।
23. समूहकोअपनीमासिकरिपोर्टप्रतिमाहतकनीकी क्षेत्रीय इकाई(Field Technical Unit)के कार्यालय मेंदेनीहोगी।

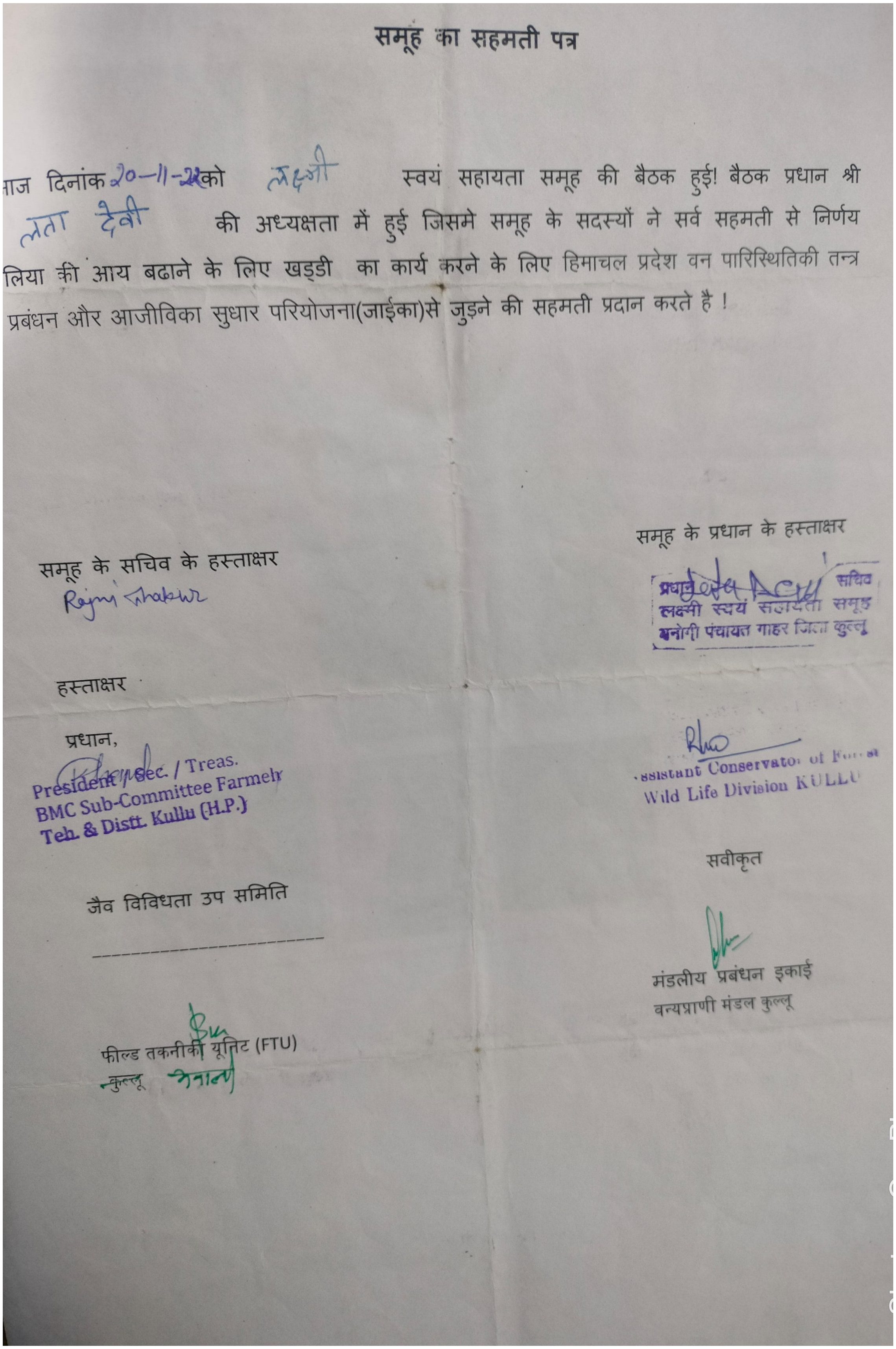

समूह का सहमती पत्र

ाज दिनांक 20-11-22 को लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की बैठक हुई! बैठक प्रधान श्री लता देवी की अध्यक्षता में हुई जिसमे समूह के सदस्यों ने सर्व सहमती से निर्णय लिया की आय बढाने के लिए खड्डी का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना(जाईका)से जुड़ने की सहमती प्रदान करते है !

समूह के प्रधान के हस्ताक्षर

प्रधान/सचिव
लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह
बनोगी पंचायत गाहर जिला कुल्लू

समूह के सचिव के हस्ताक्षर

Rajni Thakur

हस्ताक्षर

प्रधान,

President / Sec. / Treas.
BMC Sub-Committee Farmelr
Teh. & Distt. Kullu (H.P.)

ssistant Conservator of Forest
Wild Life Division KULLU

सवीकृत

जैव विविधता उप समिति

____

मंडलीय प्रबंधन इकाई
वन्यप्राणी मंडल कुल्लू

फील्ड तकनीकी यूनिट (FTU)
कुल्लू मनाली

स्वयं सहायता समूह के फोटोग्राफ:

Prepared By: Miss Priya Thakur SMS